

DISNEY'S FUTURE UNDER NEW LEADERSHIP: A STRATEGIC SHIFT

The Walt Disney Company has announced a major leadership transition as Josh D'Amaro is set to become its next Chief Executive Officer, marking the end of Bob Iger's tenure and a new strategic phase for the decades-old entertainment giant.

In a unanimous decision by Disney's board of directors, Josh D'Amaro, the longtime chairman of Disney Experiences, was chosen to succeed Bob Iger as CEO, with his appointment taking effect at the company's annual meeting on March 18, 2026. Iger, who has led Disney through a period of rapid change and restructuring, will remain with the company as a senior advisor until his planned retirement at the end of the year.

D'Amaro's rise to the CEO role reflects a strategic emphasis on areas of Disney's business that have shown consistent profitability and resilience. As head of the Disney Experiences division, which includes theme parks, resorts, cruise lines, and consumer products, he oversaw operations that constitute a significant portion of the company's revenue and helped drive global expansion.

Industry observers note that this leadership choice signals a pivot toward prioritizing "brick-and-mortar" entertainment and experiential growth at a time when traditional media, streaming services, and theatrical releases face intense competition and changing market dynamics. By elevating the parks chief rather than a leader from the studios or streaming business, Disney appears to be betting on its foundational strengths to anchor long-term growth.

The board also announced the promotion of Dana Walden to President and Chief Creative Officer, a newly created role that will focus on storytelling, content strategy, and creative output across Disney's entertainment portfolio, complementing D'Amaro's operational expertise.

As Disney moves forward under this leadership duo, the company's future strategy will likely balance operational excellence with creative innovation, aiming to sustain its iconic legacy while adapting to the rapidly evolving global media and entertainment landscape. ■



The
WALT DISNEY
Company

नये नेतृत्व में डिज्नी का भविष्यः एक रणनीतिक बदलाव

वाल्ट डिज्नी कंपनी ने, एक नये नेतृत्वकारी बदलाव की घोषणा की, जोश डी'अमारो इसके अगले मुख्य कार्यकारी अधिकारी होंगे। इससे बॉब आयगर का कार्यकाल खत्म होगा और दशकों पुरानी मनोरंजन की बड़ी कंपनी के लिए एक नयी रणनीतिक दौर की शुरुआत होगी।

डिज्नी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स के एकमत से लिये गये फैसले में, डिज्नी एक्सपीरियेंसेज के लंबे समय से अध्यक्ष रहे जोश डी'अमारो को बॉब आइगर की जगह सीईओ चुन लिया गया। उनकी नियुक्ति 18 मार्च 2026 को कंपनी के सलाना मीटिंग से लागू होगी। आइगर, जिन्होंने डिज्नी के तेजी से बदलाव और रीस्ट्रक्चरिंग के दौर में लीड किया है, साल के आखिर में अपने प्लान किये गये रिटायरमेंट तक वरिष्ठ सलाहकार बने रहेंगे।

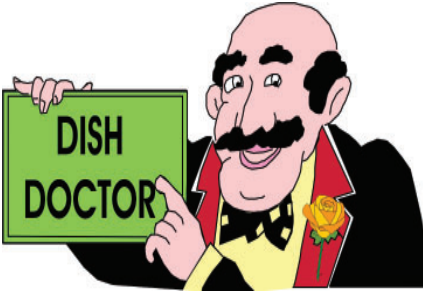
सीईओ की भूमिका में डी'अमारो का आना डिज्नी के बिजनेस के उन क्षेत्रों पर रणनीतिक जोर दिखाता है, जिन्होंने लगातार प्रॉफिट और मजबूती दिखायी है। डिज्नी एक्सपीरियेंस डिवीजन के हेड के तौर पर-जिसमें थीम पार्क, रिजॉर्ट, क्रूज लाइन और उपभोक्ता वस्तु शामिल हैं-जो कंपनी के राजस्व का एक बड़ा

हिस्सा हैं और उन्होंने ग्लोबल संचालन में मदद की है।

उद्योग के जानकारों का कहना है कि नेतृत्वकारी का यह चुनाव ऐसे समय में 'ब्रिक-एंड-मोर्टार' एंटरटेनमेंट और एक्सपीरिएंशियल विकास को प्राथमिकता देने की एक बदलाव का संकेत देता है, जब पारंपरिक मीडिया, स्ट्रीमिंग सेवा और थियेटर रिलीज को कड़ा मुकाबला और बदलते बाजार डायनामिक्स का सामना करना पड़ रहा है। स्टूडियो या स्ट्रीमिंग बिजनेस के लीडर के वजाय पार्क चीफ को आगे बढ़ाकर, ऐसा लगता है कि डिज्नी लंबे समय की विकास को बनाये रखने के लिए अपनी बुनियादी ताकतों पर दांव लगा रहा है।

बोर्ड ने डाना वाल्डेन को प्रेसिडेंट और चीफ क्रिएटिव ऑफिसर के पद पर प्रमोट करने की भी घोषणा की है। यह एक नयी बनायी गयी भूमिका है जो डिज्नी के एंटरटेनमेंट पोर्टफोलियो में स्टोरीटेलिंग, कंटेंट स्ट्रेटजी और क्रिएटिव आउटपुट पर फोकस करेगी-जो डी'अमारो की संचालन विशेषज्ञता को और बेहतर बनायेगी।

जैसे-जैसे डिज्नी इस नेतृत्वकारी जोड़ी के तहत आगे बढ़ेगा, कंपनी की भविष्य की रणनीति शायद ऑपरेशनल एक्सीलेंस और क्रिएटिव इनोवेशन के बीच संतुलन बनायेगी, जिसका मकसद तेजी से बदलते ग्लोबल मीडिया और मनोरंजन माहौल के हिसाब से ढलते हुए अपनी आइकॉनिक विरासत को बनाये रखना होगा। ■



Ask us any questions or problems faced by you in the course of your business. Our DISH DOCTOR will try and answer them in the best way possible, in the simplest terms, avoiding the unnecessary use of technical terms where possible. The service is available free to our readers and subscribers.

Send Your Queries To: Dish Doctor, 312/313, A Wing, 3rd Floor, Dynasty Business Park, Andheri Kurla Road, Andheri (E), Mumbai – 400059. or

Email: manoj.madhavan@nm-india.com. Now you can WhatsApp Your Dish Doctor Queries To: +91-91082 32956

GIGABIT

Q: In a gigabit access network, what are the key technical constraints that determine whether end users can consistently experience near-gigabit throughput for high-bitrate video and live streaming, particularly in fibre, DOCSIS and fixed wireless architectures?

Ashim Gupta, West Bengal, CATV Consultant

Ans.: While gigabit access networks are engineered for peak speeds of 1 Gbps and above, sustained real-world throughput is governed by several technical factors beyond headline capacity.

In fibre (FTTH/GPON, XGS-PON) networks, the primary constraint is contention ratio. Standard GPON shares 2.5 Gbps downstream across up to 32 or 64 homes, meaning simultaneous peak usage can reduce available bandwidth per user. XGS-PON (10 Gbps downstream) significantly alleviates this, but performance still depends on traffic shaping, multicast efficiency for live TV, and backhaul capacity from the OLT to the core network.

In cable networks using DOCSIS 3.1 or 4.0, spectrum allocation and node density are critical. Gigabit speeds rely on wide OFDM blocks, but these are shared within a service group. Poor node splits, upstream congestion, or sub-optimal modulation due to plant noise can prevent consistent high-bitrate delivery, especially for upstream-heavy use cases such as low-latency live contribution or cloud gaming.

For fixed wireless access (FWA), gigabit-class performance is highly sensitive to spectrum availability, signal quality and cell loading. Millimetre-wave deployments can deliver very high peak speeds, but line-of-sight limitations and weather attenuation impact reliability. Sub-6 GHz FWA offers better coverage but typically cannot sustain gigabit throughput under load.

In essence, gigabit access is an enabler, not a guarantee. Delivering reliable, high-bitrate video at scale requires coordinated optimisation across access technology, aggregation, core networks and content delivery infrastructure. ■

गीगाबिट

प्रश्न: एक गीगाबिट एक्सेस नेटवर्क में वे कौन सी मुख्य तकनीकी रूकावटें हैं जो यह तय करती हैं कि एंड यूजर्स हाई ब्रिटेरट वीडियो और लाइव स्ट्रीमिंग के लिए लगातार लगभग गीगाबिट थ्रूपूट का अनुभव कर सकते हैं, खासकर फाइबर, DOCSIS और फिक्स्ड वायरलेस संरचना में?

आशिम गुप्ता, पश्चिम बंगाल, सीएटीवी कंसल्टेंट

उत्तर: हालांकि गीगाबिटएक्सेस नेटवर्क 1जीवीपीएस और उससे ज्यादा की पीक स्पीड के लिए बनाये गये हैं, लेकिन असल दुनिया में लगातार थ्रूपूट हेडलाइन क्षमता के अलावा कई टेक्निकल फैक्टर से तय होता है।

फाइबर (FTTH/GPON, XGS-PON) नेटवर्क में, मुख्य रूकावट कंटेंट रेश्यो है। स्टैंडर्ड जीपीओएन 32 या 64 घरों तक 2.5 जीवीपीएस डाउनस्ट्रीम शेयर करता है जिसका मतलब है कि एक साथ पीक इस्तेमाल हर यूजर के लिए उपलब्ध बैंडविड्थ को कम कर सकता है। XGS-PON (10 जीवीपीएस डाउनस्ट्रीम) इसे काफी हद तक कम करता है, लेकिन प्रदर्शन अभी भी ट्रैफिक शेपिंग, लाइव टीवी के लिए मल्टीकास्ट प्रभावशिलता और ओएलटी से कोर नेटवर्क तक बैकहॉल क्षमता पर निर्भर करता है।

DOCSIS 3.1 या 4.0 का इस्तेमाल करने वाले केबल नेटवर्क में, स्पेक्ट्रम आवंटन और नोड डेंसिटी बहुत जरूरी है। गीगाबिट स्पीड बड़े ओएफडीएम ब्लॉक पर निर्भर करती है, लेकिन इन्हें एक सर्विस ग्रुप में शेयर किया जाता है। खराब नोड स्प्लिट, अपस्ट्रीम कंजेशन या प्लॉट नोयाज के कारण सब-ऑप्टिमल मॉड्यूलेशन लगातार हाई ब्रिटेरट डिलीवरी को रोक सकता है, खासकर लो लेटेंसी लाइव कंट्रीब्यूशन या क्लाउड गेमिंग जैसे अपस्ट्रीम हैवी यूज केस के लिए।

फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस (एफडब्ल्यूए) के लिए, गीगाबिट क्लास प्रदर्शन स्पेक्ट्रम की उपलब्धता, सिग्नल क्वालिटी और सेल लोडिंग के प्रति बहुत संवेदनशील होती है। मिलीमीटर वेव डिप्लॉयमेंट बहुत हाई पीक स्पीड दे सकते हैं, लेकिन लाइन ऑफ साइट लिमिटेशन और मौसम की कमी से रिलायबिलिटी पर असर पड़ता है। Sub-6 GHz FWA बेहतर कवरेज देता है लेकिन आमतौर पर लोड के तहत गीगाबिट थ्रूपूट को बनाये नहीं रख सकता है।

असल में, गीगाबिट एक्सेस एक इनेबलर है, गारंटी नहीं। बड़े पैमाने पर भरोसामंद, हाईब्रिटेरट वीडियो देने के लिए एक्सेस तकनीकी, एग्रीगेशन, कोर नेटवर्क और कंटेंट डिलीवरी संरचना में कोऑर्डिनेटेड ऑप्टिमाइजेशन की जरूरत होती है। ■